GARHBETA COLLEGE LIBRARY Estd.-1948

Total Pages : 5

B.A./4th Sem (G)/SANS/24(CBCS)

2024

4th Semester Examination

SANSKRIT (General)

Paper : DSC 1D/2D-T

[Sanskrit Grammar]

[CBCS]

Full Marks : 60 — Time : Three Hours

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु यथेच्छं **दश** प्रश्नाः समाधेयाः। 2×10=20

निम्नलिखित প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো ***দশটির*** উত্তর দাও।

(क) 'माहेश्वरसूत्राणि' इत्यत्र माहेश्वरशब्दस्य कोऽर्थः?

'মাহেশ্বরসূত্রাণি' — এখানে মাহেশ্বর শব্দের অর্থ কী?

(ख) माहेश्वरसूत्राणां अन्त्यहल्वर्णाः किंसंज्ञकाः भवन्ति?

মাহেশ্বরসূত্রগুলির অন্তিম হল্ বর্ণের সংজ্ঞা কী?

(ग) स्वरितसंज्ञाविधायकं सूत्रं लेख्यम्।

স্বরিতসংজ্ঞাবিধায়ক সূত্রটি লেখো।

P.T.O.

(घ) वृद्धिसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?

वृद्धिसंज्ञाविधायक सूत्र की?

(ङ) गुणसंज्ञा केन सूत्रेण विधीयते?

गुणसंज्ञा कोन् सूत्रेर द्वारा विहित हय?

(च) सुबन्तस्य तिङन्तस्य च का संज्ञा? केन सूत्रेण?

सुवन्त ओ तिङन्तेर की संज्ञा हय? सूत्र की?

(छ) लोपसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्?

लोपसंज्ञाविधायक सूत्र की?

(ज) लोपः केन सूत्रेण विधीयते?

लोप कोन् सूत्रेर द्वारा हय?

(झ) 'लघुसिद्धान्तकौमुदी' — इत्यस्यार्थो लेख्यः।

'लघुसिद्धान्तकौमुदी' — एर अर्थ की लेखो।

(ञ) सन्धिः करणीयः — विद्या आलयः, महा ईशः, भाग्य उदयः, जगत् जननी।

सन्धि करो — विद्या आलय, महा ईशः, भाग्य उदयः, जगत् जननी।

(ट) सन्धिच्छेदः करणीयः — पुनरागमनाय, बाला हसन्ति, सच्चिदानन्दः, महैश्वर्यम्।

सन्धिविच्छेद करो — पुनरागमनाय, बाला हसन्ति, सच्चिदानन्दः, महैश्वर्यम्।

(ঠ) कर्तृसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम्? अनभिहिते कर्तरि का विभक्तिः?

কর্তৃসংজ্ঞাবিধায়ক সূত্র কী? অনুক্ত কর্তায় কী বিভক্তি হয়?

(ড) सहयोगे का विभक्तिः? सूत्रं किम्?

সহযোগে কী বিভক্তি? সূত্র কী?

(ঢ) अनुक्तकरणे का विभक्ति? तत्र करणसंज्ञायाः सूत्रं वा किम्?

অনুক্তকরণে কি বিভক্তি হয়? করণসংজ্ঞার সূত্রই বা কি?

(ণ) 'अभितः' — इत्यनेन एकं वाक्यं लेख्यम्।

'অভিতঃ' এই পদটি দিয়ে একটি বাক্য লেখো।

2. अधोलिखितेषु यथेच्छं ***चत्वारः*** प्रश्नाः समाधेयाः। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো ***চারটির*** উত্তর দাও।

(क) 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यानम् उपस्थाप्यताम्।

'তুল্যাস্যপ্রযত্নং সবর্ণম্' — এই সূত্রটি উদাহরণসহ ব্যাখ্যা করো।

(ख) 'स्तोः श्चुना श्चुः' इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यानं कार्यम्।

'স্তোঃ শ্চুনা শ্চুঃ' — এই সূত্রটি উদাহরণসহ ব্যাখ্যা করো।

P.T.O.

(গ) কর্মসংজ্ঞাবিধায়কং মুখ্যং সূত্রাং পর্যালোচনীয়ম্।

কর্মসংজ্ঞাবিধায়ক মুখ্য সূত্রটি আলোচনা করো।

(ঘ) দ্বিকর্মকধাতবঃ কে? তেষাং প্রযোগে অপাদানাদীনাং যত্ কর্মত্ব তত্ সোদাহরণম্ আলোচ্যতাম্।

দ্বিকর্মকধাতুগুলি কি কি? তাদের প্রয়োগে অপাদান প্রভৃতির কর্মত্ব উদাহরণসহ পর্যালোচনা করো।

(ঙ) রবিঃ উদেতি — ইত্যস্য সন্ধিঃ সসূত্রমালোচনীয়ঃ।

রবিঃ উদেতি — এই স্থলে সসূত্র সন্ধি পর্যালোচনা করো।

(চ) 'শকন্ধুঃ', 'অক্ষৌহিণী' — ইত্যনয়োঃ সন্ধিচ্ছেদঃ পাঠ্যানুসারম্ আলোচনীয়ঃ।

'শকন্ধু', 'অক্ষৌহিণী' — এই দুটির সন্ধিবিচ্ছেদ পাঠ্যানুসারে আলোচনা করো।

3. অধোলিখিতেষু যথেচ্ছং *প্রশ্নদ্বয়ং* সমাধেয়ম্। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন *দুটির* উত্তর দাও।

(ক) প্রথমাবিধায়কসূত্রদ্বয়ং পাঠ্যানুসারং ব্যাখ্যায়তাম্।

প্রথমাবিধায়ক দু'টি সূত্র পাঠ্যানুসারে আলোচনা করো।

(খ) সম্প্রদানকারকবিধায়কসূত্রাণি পর্যালোচনীয়ানি।

সম্প্রদানকারকবিধায়ক সূত্রগুলি পর্যালোচনা করো।

(গ) 'अकः सवर्णे दीर्घः', 'इको यणचि' चेति सूत्रद्वयं सोदाहरणं विमृश्यताम्।

'अकः सवर्णे दीर्घः', 'इको यणचि' এই সূত্রদুইটি উদাহরণসহ বিচার করো।

(ঘ) उपपदविभक्तिविषये एकः प्रबन्धः ससूत्रं विरचनीयः।

উপপদবিভক্তি বিষয়ে সসূত্র একটি প্রবন্ধ লেখো।